

tia, & consilio humano, in auguriis, & responsis ho- Avid dannant penitatis eos, qui custodiunt vanitates, minum, ut Saul fecit consulens Pythonissam. Ego non autem qui faciunt. Vanitas quippe vanitatum, & omnia vanitas in me, ne, ut Hieron. notat, dannant vi- m Ecc. 1.2
m. Reg. 28
f. 169.
textus ipsius cuncta, quae abs te ipso non pendent: Ipse in te omnem proponit: certaque lum de tua mihi exhibita, me aliquando literaturum, & gratulaturum, misericordia: nam velut pigmentum misericordie tua habeo, liberacionem ex aliis periculis, in quibus jacebam, omni deliquitudo humana auxilio.

Odihi.) Hoc item pacto Hieron. quando non adeo mirum estimare debet Eugubinus: mutatus namque textus post eum facta est, & excogitatio punctorum. Quare tu non **לְשׁוֹן** sancte legebatur, id est, odavi, ied **לְשׁוֹן** sancta, odihi. Quamquam videtur At nobis legible in prima persona: suensans. Non enim facio obseruare vanitatem sancti huius, non cum spiritu meum facio letari in rebus mundi, sed in tua misericordia, &c. Atqui non est illi celestis Arthobius auct, & operis contra Genes: quod ad tempus attinet; eadem dicit Iustus, & Deus, cuius ille sed ad voluntates conformat. Polterem non ita bene cum tenebitur, ego autem in Domino speravi, cohabet, odavi, que odihi.

Observantes vanitates supervacuas.) Hallucinantur nondomi, ut Arias, similitudine litteraturam interpre- tando fuisse, quae sit **לְשׁוֹן** haute, & non **לְשׁוֹן** haute. Videatur maxime intelligere intentos magis artibus, contra quas alibi e cogitare sunt, demonstrans, quanto Deus eodius intellectus in divinis litteris, & quanto per te & nos eoderimus, exigerit. Diffi- culter, aut parum certe admodum de Deo spectantem, aut tantum non sentientium, vel non esse, vel non haberet de rebus humanis Deum providentem: ab alienis, & superfluitos confusis, denique Beelzebul, & falsis eius pendere, ac si non esset Deus in Israel, & in Ecclesia; quod cum acrimonia magna, & exaggeratione inculcavit exprobando regis Ochozia nuncius, regique iphi, Elias.

Bona, certe, efficaces, provida manus Dei sunt: nihil opus Spiritu in eas committant, alienis, & natis, mortuis manibus. **Beatus vir cuius est nomen Domini pater eius,** & non **repositus in vanitate, & in infan-** tialia. Infelix O. hozius, & Saul, & principes tamen praecepit viri, quibz illis communoyerunt exemplis, aliquid non paucis, quin pessimis infirmorum, mediocrius exemplo turpes, & execrables illiusmodi arte- am, conquerant, testentur, munenter, in pretio habeant.

Extensis longius sententia potest non ad idola dum- x. Reg. 19. & x. Reg. 20. & x. Reg. 21. & x. Reg. 22. & x. Reg. 23. & x. Reg. 24. & x. Reg. 25. & x. Reg. 26. & x. Reg. 27. & x. Reg. 28. & x. Reg. 29. & x. Reg. 30. & x. Reg. 31. & x. Reg. 32. & x. Reg. 33. & x. Reg. 34. & x. Reg. 35. & x. Reg. 36. & x. Reg. 37. & x. Reg. 38. & x. Reg. 39. & x. Reg. 40. & x. Reg. 41. & x. Reg. 42. & x. Reg. 43. & x. Reg. 44. & x. Reg. 45. & x. Reg. 46. & x. Reg. 47. & x. Reg. 48. & x. Reg. 49. & x. Reg. 50. & x. Reg. 51. & x. Reg. 52. & x. Reg. 53. & x. Reg. 54. & x. Reg. 55. & x. Reg. 56. & x. Reg. 57. & x. Reg. 58. & x. Reg. 59. & x. Reg. 60. & x. Reg. 61. & x. Reg. 62. & x. Reg. 63. & x. Reg. 64. & x. Reg. 65. & x. Reg. 66. & x. Reg. 67. & x. Reg. 68. & x. Reg. 69. & x. Reg. 70. & x. Reg. 71. & x. Reg. 72. & x. Reg. 73. & x. Reg. 74. & x. Reg. 75. & x. Reg. 76. & x. Reg. 77. & x. Reg. 78. & x. Reg. 79. & x. Reg. 80. & x. Reg. 81. & x. Reg. 82. & x. Reg. 83. & x. Reg. 84. & x. Reg. 85. & x. Reg. 86. & x. Reg. 87. & x. Reg. 88. & x. Reg. 89. & x. Reg. 90. & x. Reg. 91. & x. Reg. 92. & x. Reg. 93. & x. Reg. 94. & x. Reg. 95. & x. Reg. 96. & x. Reg. 97. & x. Reg. 98. & x. Reg. 99. & x. Reg. 100. & x. Reg. 101. & x. Reg. 102. & x. Reg. 103. & x. Reg. 104. & x. Reg. 105. & x. Reg. 106. & x. Reg. 107. & x. Reg. 108. & x. Reg. 109. & x. Reg. 110. & x. Reg. 111. & x. Reg. 112. & x. Reg. 113. & x. Reg. 114. & x. Reg. 115. & x. Reg. 116. & x. Reg. 117. & x. Reg. 118. & x. Reg. 119. & x. Reg. 120. & x. Reg. 121. & x. Reg. 122. & x. Reg. 123. & x. Reg. 124. & x. Reg. 125. & x. Reg. 126. & x. Reg. 127. & x. Reg. 128. & x. Reg. 129. & x. Reg. 130. & x. Reg. 131. & x. Reg. 132. & x. Reg. 133. & x. Reg. 134. & x. Reg. 135. & x. Reg. 136. & x. Reg. 137. & x. Reg. 138. & x. Reg. 139. & x. Reg. 140. & x. Reg. 141. & x. Reg. 142. & x. Reg. 143. & x. Reg. 144. & x. Reg. 145. & x. Reg. 146. & x. Reg. 147. & x. Reg. 148. & x. Reg. 149. & x. Reg. 150. & x. Reg. 151. & x. Reg. 152. & x. Reg. 153. & x. Reg. 154. & x. Reg. 155. & x. Reg. 156. & x. Reg. 157. & x. Reg. 158. & x. Reg. 159. & x. Reg. 160. & x. Reg. 161. & x. Reg. 162. & x. Reg. 163. & x. Reg. 164. & x. Reg. 165. & x. Reg. 166. & x. Reg. 167. & x. Reg. 168. & x. Reg. 169. & x. Reg. 170. & x. Reg. 171. & x. Reg. 172. & x. Reg. 173. & x. Reg. 174. & x. Reg. 175. & x. Reg. 176. & x. Reg. 177. & x. Reg. 178. & x. Reg. 179. & x. Reg. 180. & x. Reg. 181. & x. Reg. 182. & x. Reg. 183. & x. Reg. 184. & x. Reg. 185. & x. Reg. 186. & x. Reg. 187. & x. Reg. 188. & x. Reg. 189. & x. Reg. 190. & x. Reg. 191. & x. Reg. 192. & x. Reg. 193. & x. Reg. 194. & x. Reg. 195. & x. Reg. 196. & x. Reg. 197. & x. Reg. 198. & x. Reg. 199. & x. Reg. 200. & x. Reg. 201. & x. Reg. 202. & x. Reg. 203. & x. Reg. 204. & x. Reg. 205. & x. Reg. 206. & x. Reg. 207. & x. Reg. 208. & x. Reg. 209. & x. Reg. 210. & x. Reg. 211. & x. Reg. 212. & x. Reg. 213. & x. Reg. 214. & x. Reg. 215. & x. Reg. 216. & x. Reg. 217. & x. Reg. 218. & x. Reg. 219. & x. Reg. 220. & x. Reg. 221. & x. Reg. 222. & x. Reg. 223. & x. Reg. 224. & x. Reg. 225. & x. Reg. 226. & x. Reg. 227. & x. Reg. 228. & x. Reg. 229. & x. Reg. 230. & x. Reg. 231. & x. Reg. 232. & x. Reg. 233. & x. Reg. 234. & x. Reg. 235. & x. Reg. 236. & x. Reg. 237. & x. Reg. 238. & x. Reg. 239. & x. Reg. 240. & x. Reg. 241. & x. Reg. 242. & x. Reg. 243. & x. Reg. 244. & x. Reg. 245. & x. Reg. 246. & x. Reg. 247. & x. Reg. 248. & x. Reg. 249. & x. Reg. 250. & x. Reg. 251. & x. Reg. 252. & x. Reg. 253. & x. Reg. 254. & x. Reg. 255. & x. Reg. 256. & x. Reg. 257. & x. Reg. 258. & x. Reg. 259. & x. Reg. 260. & x. Reg. 261. & x. Reg. 262. & x. Reg. 263. & x. Reg. 264. & x. Reg. 265. & x. Reg. 266. & x. Reg. 267. & x. Reg. 268. & x. Reg. 269. & x. Reg. 270. & x. Reg. 271. & x. Reg. 272. & x. Reg. 273. & x. Reg. 274. & x. Reg. 275. & x. Reg. 276. & x. Reg. 277. & x. Reg. 278. & x. Reg. 279. & x. Reg. 280. & x. Reg. 281. & x. Reg. 282. & x. Reg. 283. & x. Reg. 284. & x. Reg. 285. & x. Reg. 286. & x. Reg. 287. & x. Reg. 288. & x. Reg. 289. & x. Reg. 290. & x. Reg. 291. & x. Reg. 292. & x. Reg. 293. & x. Reg. 294. & x. Reg. 295. & x. Reg. 296. & x. Reg. 297. & x. Reg. 298. & x. Reg. 299. & x. Reg. 300. & x. Reg. 301. & x. Reg. 302. & x. Reg. 303. & x. Reg. 304. & x. Reg. 305. & x. Reg. 306. & x. Reg. 307. & x. Reg. 308. & x. Reg. 309. & x. Reg. 310. & x. Reg. 311. & x. Reg. 312. & x. Reg. 313. & x. Reg. 314. & x. Reg. 315. & x. Reg. 316. & x. Reg. 317. & x. Reg. 318. & x. Reg. 319. & x. Reg. 320. & x. Reg. 321. & x. Reg. 322. & x. Reg. 323. & x. Reg. 324. & x. Reg. 325. & x. Reg. 326. & x. Reg. 327. & x. Reg. 328. & x. Reg. 329. & x. Reg. 330. & x. Reg. 331. & x. Reg. 332. & x. Reg. 333. & x. Reg. 334. & x. Reg. 335. & x. Reg. 336. & x. Reg. 337. & x. Reg. 338. & x. Reg. 339. & x. Reg. 340. & x. Reg. 341. & x. Reg. 342. & x. Reg. 343. & x. Reg. 344. & x. Reg. 345. & x. Reg. 346. & x. Reg. 347. & x. Reg. 348. & x. Reg. 349. & x. Reg. 350. & x. Reg. 351. & x. Reg. 352. & x. Reg. 353. & x. Reg. 354. & x. Reg. 355. & x. Reg. 356. & x. Reg. 357. & x. Reg. 358. & x. Reg. 359. & x. Reg. 360. & x. Reg. 361. & x. Reg. 362. & x. Reg. 363. & x. Reg. 364. & x. Reg. 365. & x. Reg. 366. & x. Reg. 367. & x. Reg. 368. & x. Reg. 369. & x. Reg. 370. & x. Reg. 371. & x. Reg. 372. & x. Reg. 373. & x. Reg. 374. & x. Reg. 375. & x. Reg. 376. & x. Reg. 377. & x. Reg. 378. & x. Reg. 379. & x. Reg. 380. & x. Reg. 381. & x. Reg. 382. & x. Reg. 383. & x. Reg. 384. & x. Reg. 385. & x. Reg. 386. & x. Reg. 387. & x. Reg. 388. & x. Reg. 389. & x. Reg. 390. & x. Reg. 391. & x. Reg. 392. & x. Reg. 393. & x. Reg. 394. & x. Reg. 395. & x. Reg. 396. & x. Reg. 397. & x. Reg. 398. & x. Reg. 399. & x. Reg. 400. & x. Reg. 401. & x. Reg. 402. & x. Reg. 403. & x. Reg. 404. & x. Reg. 405. & x. Reg. 406. & x. Reg. 407. & x. Reg. 408. & x. Reg. 409. & x. Reg. 410. & x. Reg. 411. & x. Reg. 412. & x. Reg. 413. & x. Reg. 414. & x. Reg. 415. & x. Reg. 416. & x. Reg. 417. & x. Reg. 418. & x. Reg. 419. & x. Reg. 420. & x. Reg. 421. & x. Reg. 422. & x. Reg. 423. & x. Reg. 424. & x. Reg. 425. & x. Reg. 426. & x. Reg. 427. & x. Reg. 428. & x. Reg. 429. & x. Reg. 430. & x. Reg. 431. & x. Reg. 432. & x. Reg. 433. & x. Reg. 434. & x. Reg. 435. & x. Reg. 436. & x. Reg. 437. & x. Reg. 438. & x. Reg. 439. & x. Reg. 440. & x. Reg. 441. & x. Reg. 442. & x. Reg. 443. & x. Reg. 444. & x. Reg. 445. & x. Reg. 446. & x. Reg. 447. & x. Reg. 448. & x. Reg. 449. & x. Reg. 450. & x. Reg. 451. & x. Reg. 452. & x. Reg. 453. & x. Reg. 454. & x. Reg. 455. & x. Reg. 456. & x. Reg. 457. & x. Reg. 458. & x. Reg. 459. & x. Reg. 460. & x. Reg. 461. & x. Reg. 462. & x. Reg. 463. & x. Reg. 464. & x. Reg. 465. & x. Reg. 466. & x. Reg. 467. & x. Reg. 468. & x. Reg. 469. & x. Reg. 470. & x. Reg. 471. & x. Reg. 472. & x. Reg. 473. & x. Reg. 474. & x. Reg. 475. & x. Reg. 476. & x. Reg. 477. & x. Reg. 478. & x. Reg. 479. & x. Reg. 480. & x. Reg. 481. & x. Reg. 482. & x. Reg. 483. & x. Reg. 484. & x. Reg. 485. & x. Reg. 486. & x. Reg. 487. & x. Reg. 488. & x. Reg. 489. & x. Reg. 490. & x. Reg. 491. & x. Reg. 492. & x. Reg. 493. & x. Reg. 494. & x. Reg. 495. & x. Reg. 496. & x. Reg. 497. & x. Reg. 498. & x. Reg. 499. & x. Reg. 500. & x. Reg. 501. & x. Reg. 502. & x. Reg. 503. & x. Reg. 504. & x. Reg. 505. & x. Reg. 506. & x. Reg. 507. & x. Reg. 508. & x. Reg. 509. & x. Reg. 510. & x. Reg. 511. & x. Reg. 512. & x. Reg. 513. & x. Reg. 514. & x. Reg. 515. & x. Reg. 516. & x. Reg. 517. & x. Reg. 518. & x. Reg. 519. & x. Reg. 520. & x. Reg. 521. & x. Reg. 522. & x. Reg. 523. & x. Reg. 524. & x. Reg. 525. & x. Reg. 526. & x. Reg. 527. & x. Reg. 528. & x. Reg. 529. & x. Reg. 530. & x. Reg. 531. & x. Reg. 532. & x. Reg. 533. & x. Reg. 534. & x. Reg. 535. & x. Reg. 536. & x. Reg. 537. & x. Reg. 538. & x. Reg. 539. & x. Reg. 540. & x. Reg. 541. & x. Reg. 542. & x. Reg. 543. & x. Reg. 544. & x. Reg. 545. & x. Reg. 546. & x. Reg. 547. & x. Reg. 548. & x. Reg. 549. & x. Reg. 550. & x. Reg. 551. & x. Reg. 552. & x. Reg. 553. & x. Reg. 554. & x. Reg. 555. & x. Reg. 556. & x. Reg. 557. & x. Reg. 558. & x. Reg. 559. & x. Reg. 560. & x. Reg. 561. & x. Reg. 562. & x. Reg. 563. & x. Reg. 564. & x. Reg. 565. & x. Reg. 566. & x. Reg. 567. & x. Reg. 568. & x. Reg. 569. & x. Reg. 570. & x. Reg. 571. & x. Reg. 572. & x. Reg. 573. & x. Reg. 574. & x. Reg. 575. & x. Reg. 576. & x. Reg. 577. & x. Reg. 578. & x. Reg. 579. & x. Reg. 580. & x. Reg. 581. & x. Reg. 582. & x. Reg. 583. & x. Reg. 584. & x. Reg. 585. & x. Reg. 586. & x. Reg. 587. & x. Reg. 588. & x. Reg. 589. & x. Reg. 590. & x. Reg. 591. & x. Reg. 592. & x. Reg. 593. & x. Reg. 594. & x. Reg. 595. & x. Reg. 596. & x. Reg. 597. & x. Reg. 598. & x. Reg. 599. & x. Reg. 600. & x. Reg. 601. & x. Reg. 602. & x. Reg. 603. & x. Reg. 604. & x. Reg. 605. & x. Reg. 606. & x. Reg. 607. & x. Reg. 608. & x. Reg. 609. & x. Reg. 610. & x. Reg. 611. & x. Reg. 612. & x. Reg. 613. & x. Reg. 614. & x. Reg. 615. & x. Reg. 616. & x. Reg. 617. & x. Reg. 618. & x. Reg. 619. & x. Reg. 620. & x. Reg. 621. & x. Reg. 622. & x. Reg. 623. & x. Reg. 624. & x. Reg. 625. & x. Reg. 626. & x. Reg. 627. & x. Reg. 628. & x. Reg. 629. & x. Reg. 630. & x. Reg. 631. & x. Reg. 632. & x. Reg. 633. & x. Reg. 634. & x. Reg. 635. & x. Reg. 636. & x. Reg. 637. & x. Reg. 638. & x. Reg. 639. & x. Reg. 640. & x. Reg. 641. & x. Reg. 642. & x. Reg. 643. & x. Reg. 644. & x. Reg. 645. & x. Reg. 646. & x. Reg. 647. & x. Reg. 648. & x. Reg. 649. & x. Reg. 650. & x. Reg. 651. & x. Reg. 652. & x. Reg. 653. & x. Reg. 654. & x. Reg. 655. & x. Reg. 656. & x. Reg. 657. & x. Reg. 658. & x. Reg. 659. & x. Reg. 660. & x. Reg. 661. & x. Reg. 662. & x. Reg. 663. & x. Reg. 664. & x. Reg. 665. & x. Reg. 666. & x. Reg. 667. & x. Reg. 668. & x. Reg. 669. & x. Reg. 670. & x. Reg. 671. & x. Reg. 672. & x. Reg. 673. & x. Reg. 674. & x. Reg. 675. & x. Reg. 676. & x. Reg. 677. & x. Reg. 678. & x. Reg. 679. & x. Reg. 680. & x. Reg. 681. & x. Reg. 682. & x. Reg. 683. & x. Reg. 684. & x. Reg. 685. & x. Reg. 686. & x. Reg. 687. & x. Reg. 688. & x. Reg. 689. & x. Reg. 690. & x. Reg. 691. & x. Reg. 692. & x. Reg. 693. & x. Reg. 694. & x. Reg. 695. & x. Reg. 696. & x. Reg. 697. & x. Reg. 698. & x. Reg. 699. & x. Reg. 700. & x. Reg. 701. & x. Reg. 702. & x. Reg. 703. & x. Reg. 704. & x. Reg. 705. & x. Reg. 706. & x. Reg. 707. & x. Reg. 708. & x. Reg. 709. & x. Reg. 710. & x. Reg. 711. & x. Reg. 712. & x. Reg. 713. & x. Reg. 714. & x. Reg. 715. & x. Reg. 716. & x. Reg. 717. & x. Reg. 718. & x. Reg. 719. & x. Reg. 720. & x. Reg. 721. & x. Reg. 722. & x. Reg. 723. & x. Reg. 724. & x. Reg. 725. & x. Reg. 726. & x. Reg. 727. & x. Reg. 728. & x. Reg. 729. & x. Reg. 730. & x. Reg. 731. & x. Reg. 732. & x. Reg. 733. & x. Reg. 734. & x. Reg. 735. & x. Reg. 736. & x. Reg. 737. & x. Reg. 738. & x. Reg. 739. & x. Reg. 740. & x. Reg. 741. & x. Reg. 742. & x. Reg. 743. & x. Reg. 744. & x. Reg. 745. & x. Reg. 746. & x. Reg. 747. & x. Reg. 748. & x. Reg. 749. & x. Reg. 750. & x. Reg. 751. & x. Reg. 752. & x. Reg. 753. & x. Reg. 754. & x. Reg. 755. & x. Reg. 756. & x. Reg. 757. & x. Reg. 758. & x. Reg. 759. & x. Reg. 760. & x. Reg. 761. & x. Reg. 762. & x. Reg. 763. & x. Reg. 764. & x. Reg. 765. & x. Reg. 766. & x. Reg. 767. & x. Reg. 768. & x. Reg. 769. & x. Reg. 770. & x. Reg. 771. & x. Reg. 772. & x. Reg. 773. & x. Reg. 774. & x. Reg. 775. & x. Reg. 776. & x. Reg. 777. & x. Reg. 778. & x. Reg. 779. & x

videns pravagari, tabescerat, & tabescere cum fa-
ciasbat zelus plus, quia oblitii erant verba Dei; inimi-
cius b: vel implacabilem eorumdem insitum ad-
versum se vel Dic etiam contra te. Cave ira ze-
luique in impios, in odium ne veratur, ut ad-
metet. Augustinus dum videns homines c, confis-
tentes ore Deum, negantes moribus, renuntiantes
facio verbi, non facias: fratres infidiles fratris
bus; idem non servantes osculo quod infugit facri-
mentis Dei; ira celis, zelo tabeticis, & comedenter,
desfectione, delinquente patens. Vim facit Doctor
in eo, quod turbat in ira dicitur, non extinguit
qui autem odit, sit cenceri iste in tenebris d. Legem im-
moderationem in zelo Carp apud Dionysium. Epistola
ad Demophilum.

Anima mea. v. Vim, & appetitatem cibi, animam
hic accipi non improbabile, quam in exagitatione tur-
bari certum est; tametsi bilis extimulet etiam, ac vel-
licet stomachum, appetitum.

Venter meus. v. Dixi. Psalmus vigesimo primo quid si-
bi venter velis. Hebr. v. 12 bene; nempè cavitate re-
signata. Augustinus. Infirmata est in egestate vigor
meus, quod etiam declarat mortaliter, quando vir ju-
stus nihil montis proficit, & Ecclesia paucos habens,
quos post illius mandato, fatigati virtibus quodam-
modo: sic autem & ossa; idest, fortes, iniquitatibus
Bariorum al conturbari, Paulus alter al etiam per tro-
poligiam de compassionē erga debiles in virtute, juxta
ilud p. Quis infirmatur, & ego non infirmor? dum ic-
lacet refrigerat charitas multorum q, & de hoc dole.
Symmachus: Quid rianosq; usq; iuvos us, qdā
deā sibor iuvos. Propter affectionem meam fortitudi-
men, & osa mea patruerunt.

Utilis necessariae cognitionis, & consideratio pro-
prie paupertatis ac infirmitatis, ut semper faciem no-
stram egatas praedatorem, similem viri videntes pau-
pertatem nostram f, nec putantur nos, ac dicentes
laetitiam designandam. *Conturbationem istam ventris*
conturbatio ventris, vel compotio in scripturis uirupari
at latitudine designandam. *Conturbationem istam ventris*
expressit præterea, Ecclesiastici Auctor m, Jeremias
*h. Habacuc. Commissio uferunt denotat interdum Sym-
pathiam, qua quoniam quadam confundere luctu posset,*
*licet abolitus item valcat quod ventris dicta conturba-
tio q.*

Infirmata est in paupertate virtus mea, & ossa mea
conturbata sunt.

*Vix pars major consumpta est in mortore, ac gemi-
tu, sed aduersus quoque tum ad inopiam, quae mea
plutus, & præstans vires abstulit. Hunc illud spectat:*
Pauper sum ego, & in labiorum à juventute mea: sapere
*expugnauerunt me à juventute mea: item quod in tem-
plaenique policebat, non derelinquia. Deo quidem*
sicut virtus, rizelue a, tum corporis, tum etiam
animi, qui corporisegent administratio. Tela historia
Regum, nolque meminiimus aliquoies, quantis David
*pericloriibus, ac bellis exercitus, aexigentibus fui-
vit, & erumus confectus, ut quoniam sepe agnatus fu-
erat, & quadrangula regnavit x) tamen dieatur iuvenis, ha-
bilisque atatus nos pluimosis, non soldū quia illius
x) se terminus atatus erat ceptinata, vel cogniti-
tum erat ut labores fratre, attrinxerant, D
præcedens totius vita labores fratre, attrinxerant, D
ita ut posset, dum vestibus opereretur, calefie-
re: quod transfeatur aliud ad vehementem vel timorem, dum
vidit Angelum gladio armatum a: vel aliquem mor-
bum. Lye Abenitum.*

*a. Par. 21. 15
b. 2. 17. 9
c. 2. 2.*

Infirmata est in paupertate virtus mea, & ossa mea
conturbata sunt.

*Yer. 11.)Quoniam defecit in dolore vita mea, & anni-
me in geminis.*

Infirmata est in paupertate virtus mea, & ossa mea
conturbata sunt.

*Vix pars major consumpta est in mortore, ac gemi-
tu, sed aduersus quoque tum ad inopiam, quae mea
plutus, & præstans vires abstulit. Hunc illud spectat:*
Pauper sum ego, & in labiorum à juventute mea: sapere
*expugnauerunt me à juventute mea: item quod in tem-
plaenique policebat, non derelinquia. Deo quidem*
sicut virtus, rizelue a, tum corporis, tum etiam
animi, qui corporisegent administratio. Tela historia
Regum, nolque meminiimus aliquoies, quantis David
*pericloriibus, ac bellis exercitus, aexigentibus fui-
vit, & erumus confectus, ut quoniam sepe agnatus fu-
erat, & quadrangula regnavit x) tamen dieatur iuvenis, ha-
bilisque atatus nos pluimosis, non soldū quia illius
x) se terminus atatus erat ceptinata, vel cogniti-
tum erat ut labores fratre, attrinxerant, D
præcedens totius vita labores fratre, attrinxerant, D
ita ut posset, dum vestibus opereretur, calefie-
re: quod transfeatur aliud ad vehementem vel timorem, dum
vidit Angelum gladio armatum a: vel aliquem mor-
bum. Lye Abenitum.*

*a. Par. 21. 15
b. 2. 17. 9
c. 2. 2.*

Infirmata est in paupertate virtus mea, & ossa mea
conturbata sunt.

*Vix pars major consumpta est in mortore, ac gemi-
tu, sed aduersus quoque tum ad inopiam, quae mea
plutus, & præstans vires abstulit. Hunc illud spectat:*
Pauper sum ego, & in labiorum à juventute mea: sapere
*expugnauerunt me à juventute mea: item quod in tem-
plaenique policebat, non derelinquia. Deo quidem*
sicut virtus, rizelue a, tum corporis, tum etiam
animi, qui corporisegent administratio. Tela historia
Regum, nolque meminiimus aliquoies, quantis David
*pericloriibus, ac bellis exercitus, aexigentibus fui-
vit, & erumus confectus, ut quoniam sepe agnatus fu-
erat, & quadrangula regnavit x) tamen dieatur iuvenis, ha-
bilisque atatus nos pluimosis, non soldū quia illius
x) se terminus atatus erat ceptinata, vel cogniti-
tum erat ut labores fratre, attrinxerant, D
præcedens totius vita labores fratre, attrinxerant, D
ita ut posset, dum vestibus opereretur, calefie-
re: quod transfeatur aliud ad vehementem vel timorem, dum
vidit Angelum gladio armatum a: vel aliquem mor-
bum. Lye Abenitum.*

*a. Par. 21. 15
b. 2. 17. 9
c. 2. 2.*

Infirmata est in paupertate virtus mea, & ossa mea
conturbata sunt.

*Vix pars major consumpta est in mortore, ac gemi-
tu, sed aduersus quoque tum ad inopiam, quae mea
plutus, & præstans vires abstulit. Hunc illud spectat:*
Pauper sum ego, & in labiorum à juventute mea: sapere
*expugnauerunt me à juventute mea: item quod in tem-
plaenique policebat, non derelinquia. Deo quidem*
sicut virtus, rizelue a, tum corporis, tum etiam
animi, qui corporisegent administratio. Tela historia
Regum, nolque meminiimus aliquoies, quantis David
*pericloriibus, ac bellis exercitus, aexigentibus fui-
vit, & erumus confectus, ut quoniam sepe agnatus fu-
erat, & quadrangula regnavit x) tamen dieatur iuvenis, ha-
bilisque atatus nos pluimosis, non soldū quia illius
x) se terminus atatus erat ceptinata, vel cogniti-
tum erat ut labores fratre, attrinxerant, D
præcedens totius vita labores fratre, attrinxerant, D
ita ut posset, dum vestibus opereretur, calefie-
re: quod transfeatur aliud ad vehementem vel timorem, dum
vidit Angelum gladio armatum a: vel aliquem mor-
bum. Lye Abenitum.*

*a. Par. 21. 15
b. 2. 17. 9
c. 2. 2.*

Infirmata est in paupertate virtus mea, & ossa mea
conturbata sunt.

*Vix pars major consumpta est in mortore, ac gemi-
tu, sed aduersus quoque tum ad inopiam, quae mea
plutus, & præstans vires abstulit. Hunc illud spectat:*
Pauper sum ego, & in labiorum à juventute mea: sapere
*expugnauerunt me à juventute mea: item quod in tem-
plaenique policebat, non derelinquia. Deo quidem*
sicut virtus, rizelue a, tum corporis, tum etiam
animi, qui corporisegent administratio. Tela historia
Regum, nolque meminiimus aliquoies, quantis David
*pericloriibus, ac bellis exercitus, aexigentibus fui-
vit, & erumus confectus, ut quoniam sepe agnatus fu-
erat, & quadrangula regnavit x) tamen dieatur iuvenis, ha-
bilisque atatus nos pluimosis, non soldū quia illius
x) se terminus atatus erat ceptinata, vel cogniti-
tum erat ut labores fratre, attrinxerant, D
præcedens totius vita labores fratre, attrinxerant, D
ita ut posset, dum vestibus opereretur, calefie-
re: quod transfeatur aliud ad vehementem vel timorem, dum
vidit Angelum gladio armatum a: vel aliquem mor-
bum. Lye Abenitum.*

*a. Par. 21. 15
b. 2. 17. 9
c. 2. 2.*

Infirmata est in paupertate virtus mea, & ossa mea
conturbata sunt.

*Vix pars major consumpta est in mortore, ac gemi-
tu, sed aduersus quoque tum ad inopiam, quae mea
plutus, & præstans vires abstulit. Hunc illud spectat:*
Pauper sum ego, & in labiorum à juventute mea: sapere
*expugnauerunt me à juventute mea: item quod in tem-
plaenique policebat, non derelinquia. Deo quidem*
sicut virtus, rizelue a, tum corporis, tum etiam
animi, qui corporisegent administratio. Tela historia
Regum, nolque meminiimus aliquoies, quantis David
*pericloriibus, ac bellis exercitus, aexigentibus fui-
vit, & erumus confectus, ut quoniam sepe agnatus fu-
erat, & quadrangula regnavit x) tamen dieatur iuvenis, ha-
bilisque atatus nos pluimosis, non soldū quia illius
x) se terminus atatus erat ceptinata, vel cogniti-
tum erat ut labores fratre, attrinxerant, D
præcedens totius vita labores fratre, attrinxerant, D
ita ut posset, dum vestibus opereretur, calefie-
re: quod transfeatur aliud ad vehementem vel timorem, dum
vidit Angelum gladio armatum a: vel aliquem mor-
bum. Lye Abenitum.*

*a. Par. 21. 15
b. 2. 17. 9
c. 2. 2.*

Infirmata est in paupertate virtus mea, & ossa mea
conturbata sunt.

*Vix pars major consumpta est in mortore, ac gemi-
tu, sed aduersus quoque tum ad inopiam, quae mea
plutus, & præstans vires abstulit. Hunc illud spectat:*
Pauper sum ego, & in labiorum à juventute mea: sapere
*expugnauerunt me à juventute mea: item quod in tem-
plaenique policebat, non derelinquia. Deo quidem*
sicut virtus, rizelue a, tum corporis, tum etiam
animi, qui corporisegent administratio. Tela historia
Regum, nolque meminiimus aliquoies, quantis David
*pericloriibus, ac bellis exercitus, aexigentibus fui-
vit, & erumus confectus, ut quoniam sepe agnatus fu-
erat, & quadrangula regnavit x) tamen dieatur iuvenis, ha-
bilisque atatus nos pluimosis, non soldū quia illius
x) se terminus atatus erat ceptinata, vel cogniti-
tum erat ut labores fratre, attrinxerant, D
præcedens totius vita labores fratre, attrinxerant, D
ita ut posset, dum vestibus opereretur, calefie-
re: quod transfeatur aliud ad vehementem vel timorem, dum
vidit Angelum gladio armatum a: vel aliquem mor-
bum. Lye Abenitum.*

*a. Par. 21. 15
b. 2. 17. 9
c. 2. 2.*

Infirmata est in paupertate virtus mea, & ossa mea
conturbata sunt.

*Vix pars major consumpta est in mortore, ac gemi-
tu, sed aduersus quoque tum ad inopiam, quae mea
plutus, & præstans vires abstulit. Hunc illud spectat:*
Pauper sum ego, & in labiorum à juventute mea: sapere
*expugnauerunt me à juventute mea: item quod in tem-
plaenique policebat, non derelinquia. Deo quidem*
sicut virtus, rizelue a, tum corporis, tum etiam
animi, qui corporisegent administratio. Tela historia
Regum, nolque meminiimus aliquoies, quantis David
*pericloriibus, ac bellis exercitus, aexigentibus fui-
vit, & erumus confectus, ut quoniam sepe agnatus fu-
erat, & quadrangula regnavit x) tamen dieatur iuvenis, ha-
bilisque atatus nos pluimosis, non soldū quia illius
x) se terminus atatus erat ceptinata, vel cogniti-
tum erat ut labores fratre, attrinxerant, D
præcedens totius vita labores fratre, attrinxerant, D
ita ut posset, dum vestibus opereretur, calefie-
re: quod transfeatur aliud ad vehementem vel timorem, dum
vidit Angelum gladio armatum a: vel aliquem mor-
bum. Lye Abenitum.*

*a. Par. 21. 15
b. 2. 17. 9
c. 2. 2.*

Infirmata est in paupertate virtus mea, & ossa mea
conturbata sunt.

*Vix pars major consumpta est in mortore, ac gemi-
tu, sed aduersus quoque tum ad inopiam, quae mea
plutus, & præstans vires abstulit. Hunc illud spectat:*
Pauper sum ego, & in labiorum à juventute mea: sapere
*expugnauerunt me à juventute mea: item quod in tem-
plaenique policebat, non derelinquia. Deo quidem*
sicut virtus, rizelue a, tum corporis, tum etiam
animi, qui corporisegent administratio. Tela historia
Regum, nolque meminiimus aliquoies, quantis David
*pericloriibus, ac bellis exercitus, aexigentibus fui-
vit, & erumus confectus, ut quoniam sepe agnatus fu-
erat, & quadrangula regnavit x) tamen dieatur iuvenis, ha-
bilisque atatus nos pluimosis, non soldū quia illius
x) se terminus atatus erat ceptinata, vel cogniti-
tum erat ut labores fratre, attrinxerant, D
præcedens totius vita labores fratre, attrinxerant, D
ita ut posset, dum vestibus opereretur, calefie-
re: quod transfeatur aliud ad vehementem vel timorem, dum
vidit Angelum gladio armatum a: vel aliquem mor-
bum. Lye Abenitum.*

*a. Par. 21. 15
b. 2. 17. 9
c. 2. 2.*

Infirmata est in paupertate virtus mea, & ossa mea
conturbata sunt.

*Vix pars major consumpta est in mortore, ac gemi-
tu, sed aduersus quoque tum ad inopiam, quae mea
plutus, & præstans vires abstulit. Hunc illud spectat:*
Pauper sum ego, & in labiorum à juventute mea: sapere
*expugnauerunt me à juventute mea: item quod in tem-
plaenique policebat, non derelinquia. Deo quidem*
sicut virtus, rizelue a, tum corporis, tum etiam
animi, qui corporisegent administratio. Tela historia
Regum, nolque meminiimus aliquoies, quantis David
*pericloriibus, ac bellis exercitus, aexigentibus fui-
vit, & erumus confectus, ut quoniam sepe agnatus fu-
erat, & quadrangula regnavit x) tamen dieatur iuvenis, ha-
bilisque atatus nos pluimosis, non soldū quia illius
x) se terminus atatus erat ceptinata, vel cogniti-
tum erat ut labores fratre, attrinxerant, D
præcedens totius vita labores fratre, attrinxerant, D
ita ut posset, dum vestibus opereretur, calefie-
re: quod transfeatur aliud ad vehementem vel timorem, dum
vidit Angelum gladio armatum a: vel aliquem mor-
bum. Lye Abenitum.*

*a. Par. 21. 15
b. 2. 17. 9
c. 2. 2.*

Infirmata est in paupertate virtus mea, & ossa mea
conturbata sunt.

*Vix pars major consumpta est in mortore, ac gemi-
tu, sed aduersus quoque tum ad inopiam, quae mea
plutus, & præstans vires abstulit. Hunc illud spectat:*
Pauper sum ego, & in labiorum à juventute mea: sapere
*expugnauerunt me à juventute mea: item quod in tem-
plaenique policebat, non derelinquia. Deo quidem*
sicut virtus, rizelue a, tum corporis, tum etiam
animi, qui corporisegent administratio. Tela historia
Regum, nolque meminiimus aliquoies, quantis David
*pericloriibus, ac bellis exercitus, aexigentibus fui-
vit, & erumus confectus, ut quoniam sepe agnatus fu-
erat, & quadrangula regnavit x) tamen dieatur iuvenis, ha-
bilisque atatus nos pluimosis, non soldū quia illius
x) se terminus atatus erat ceptinata, vel cogniti-
tum erat ut labores fratre, attrinxerant, D
præcedens totius vita labores fratre, attrinxerant, D
ita ut posset, dum vestibus opereretur, calefie-
re: quod transfeatur aliud ad vehementem vel timorem, dum
vidit Angelum gladio armatum a: vel aliquem mor-
bum. Lye Abenitum.*

*a. Par. 21. 15
b. 2. 17. 9
c. 2. 2.*

Infirmata est in paupertate virtus mea, & ossa mea
conturbata sunt.

*Vix pars major consumpta est in mortore, ac gemi-
tu, sed aduersus quoque tum ad inopiam, quae mea
plutus, & præstans vires abstulit. Hunc illud spectat:*
Pauper sum ego, & in labiorum à juventute mea: sapere
*expugnauerunt me à juventute mea: item quod in tem-
plaenique policebat, non derelinquia. Deo quidem*
sicut virtus, rizelue a, tum corporis, tum etiam
animi, qui corporisegent administratio. Tela historia
Regum, nolque meminiimus aliquoies, quantis David
*pericloriibus, ac bellis exercitus, aexigentibus fui-
vit, & erumus confectus, ut quoniam sepe agnatus fu-
erat, & quadrangula regnavit x) tamen dieatur iuvenis, ha-
bilisque atatus nos pluimosis, non soldū quia illius
x) se terminus atatus erat ceptinata, vel cogniti-
tum erat ut labores fratre, attrinxerant, D
præcedens totius vita labores fratre, attrinxerant, D
ita ut posset, dum vestibus opereretur, calefie-
re: quod transfeatur aliud ad vehementem vel timorem, dum
vidit Angelum gladio armatum a: vel aliquem mor-
bum. Lye Abenitum.*

*a. Par. 21. 15
b. 2. 17. 9
c. 2. 2.*

Infirmata est in paupertate virtus mea, & ossa mea
conturbata sunt.

*Vix pars major consumpta est in mortore, ac gemi-
tu, sed aduersus quoque tum ad inopiam, quae mea
plutus, & præstans vires abstulit. Hunc illud spectat:*
Pauper sum ego, & in labiorum à juventute mea: sapere
*expugnauerunt me à juventute mea: item quod in tem-
plaenique policebat, non derelinquia. Deo quidem*
sicut virtus, rizelue a, tum corporis, tum etiam
animi, qui corporisegent administratio. Tela historia
Regum, nolque meminiimus aliquoies, quantis David
*pericloriibus, ac bellis exercitus, aexigentibus fui-
vit, & erumus confectus, ut quoniam sepe agnatus fu-
erat, & quadrangula regnavit x) tamen dieatur iuvenis, ha-
bilisque atatus nos pluimosis, non soldū quia illius
x) se terminus atatus erat ceptinata, vel cogniti-
tum erat ut labores fratre, attrinxerant, D
præcedens totius vita labores fratre, attrinxerant, D
ita ut posset, dum vestibus opereretur, calefie-
re: quod transfeatur aliud ad vehementem vel timorem, dum
vidit Angelum gladio armatum a: vel aliquem mor-
bum. Lye Abenitum.*

*a. Par. 21. 15
b. 2. 17. 9
c. 2. 2.*

Infirmata est in paupertate virtus mea, & ossa mea
conturbata sunt.

*Vix pars major consumpta est in mortore, ac gemi-
tu, sed aduersus quoque tum ad inopiam, quae mea
plutus, & præstans vires abstulit. Hunc illud spectat:*
Pauper sum ego, & in labiorum à juventute mea: sapere
*expugnauerunt me à juventute mea: item quod in tem-
plaenique policebat, non derelinquia. Deo quidem*
sicut virtus, rizelue a, tum corporis, tum etiam
animi, qui corporisegent administratio. Tela historia
Regum, nolque meminiimus aliquoies, quantis David
*pericloriibus, ac bellis exercitus, aexigentibus fui-
vit, & erumus confectus, ut quoniam sepe agnatus fu-
erat, & quadrangula regnavit x) tamen dieatur iuvenis, ha-
bilisque atatus nos pluimosis, non soldū quia illius
x) se terminus atatus erat ceptinata, vel cogniti-
tum erat ut labores fratre, attrinxerant, D
præcedens totius vita labores fratre, attrinxerant, D
ita ut posset, dum vestibus opereretur, calefie-
re: quod transfeatur aliud ad vehementem vel timorem, dum
vidit Angelum gladio armatum a: vel aliquem mor-
bum. Lye Abenitum.*

*a. Par. 21. 15
b. 2. 17. 9
c. 2. 2.*

Infirmata est in paupertate virtus mea, & ossa mea
conturbata sunt.

*Vix pars major consumpta est in mortore, ac gemi-
tu, sed aduersus quoque tum ad inopiam, quae mea
plutus, & præstans vires abstulit. Hunc illud spectat:*
Pauper sum ego, & in labiorum à juventute mea: sapere
*expugnauerunt me à juventute mea: item quod in tem-
plaenique policebat, non derelinquia. Deo quidem*
sicut virtus, rizelue a, tum corporis, tum etiam
animi, qui corporisegent administratio. Tela historia
Regum, nolque meminiimus aliquoies, quantis David
*pericloriibus, ac bellis exercitus, aexigentibus fui-
vit, & erumus confectus, ut quoniam sepe agnatus fu-
erat, & quadrangula regnavit x) tamen dieatur iuvenis, ha-
bilisque atatus nos pluimosis, non soldū quia illius
x) se terminus atatus erat ceptinata, vel cogniti-
tum erat ut labores fratre, attrinxerant, D
præcedens totius vita labores fratre, attrinxerant, D
ita ut posset, dum vestibus opereretur, calefie-
re: quod transfeatur aliud ad vehementem vel*